
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
12th HISTORY
ARJUN BATCH
संविधान का निर्माण
अध्याय-12 | भाग-1
CONSTITUTION OF INDIA
14 सितंबर 2026 || 04:00 PM


जाति
धर्म
लिंग
वर्ग
विचार
भौगोलिक
कानून
अधिकार
दायित्व
ढांचा

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1927 - साईमन कमिशन ✗

1928 - नेहरू रिपोर्ट ✗

→ I II III ✗

↓

GOI, 1935

1946

↓

कैबिनेट मिशन

↓

संविधान बनाने

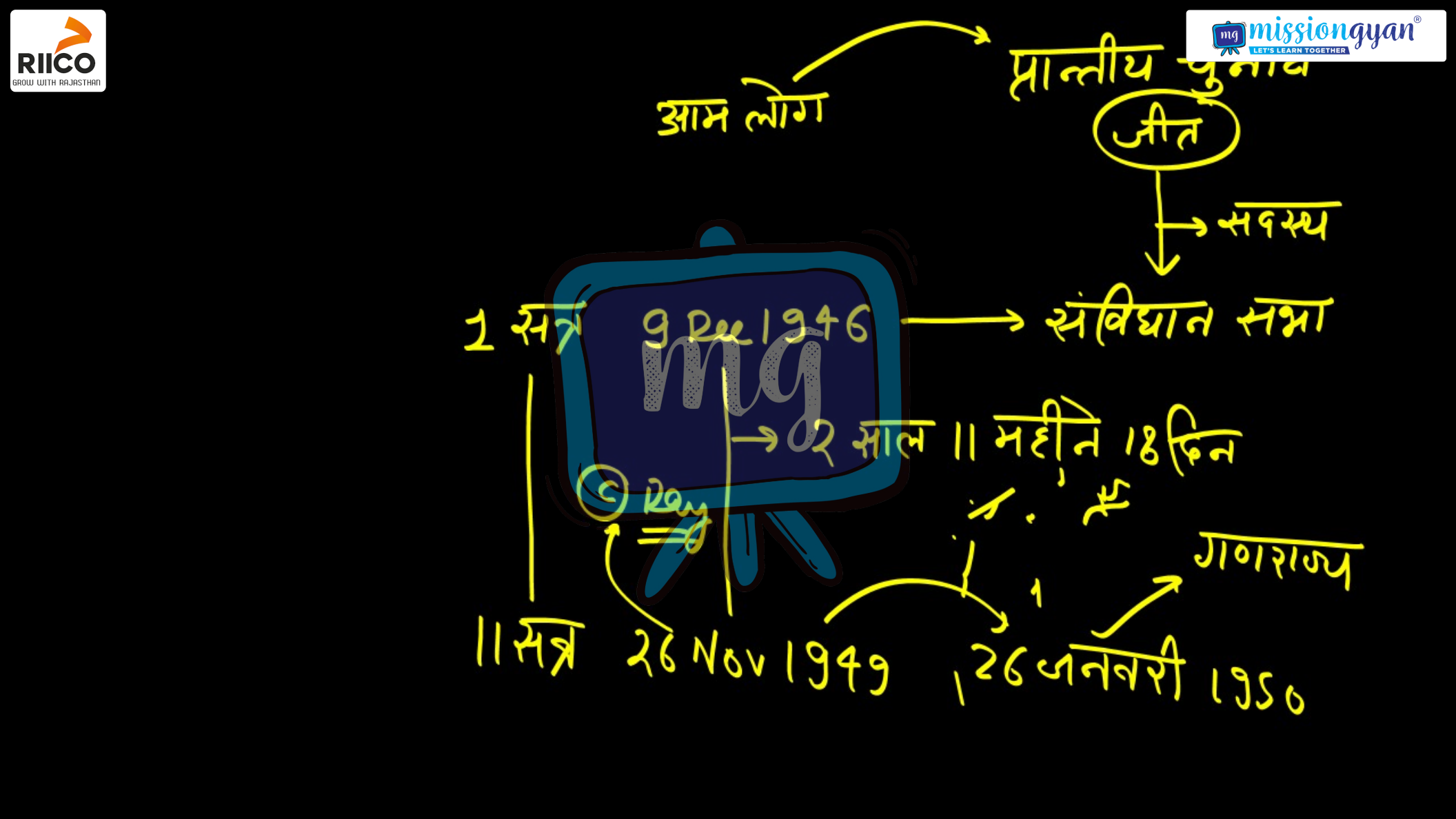
आम लोग
प्रान्तीय चुनाव
जीत
सदस्य
संविधान सभा
9 Dec 1946
2 सत्र
2 साल 11 महीने 18 दिन
11 सत्र
26 Nov 1949
26 जनवरी 1950
गणराज्य

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1929 लाहौर अधिवेशन



पूर्ण स्वराज दिवस

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

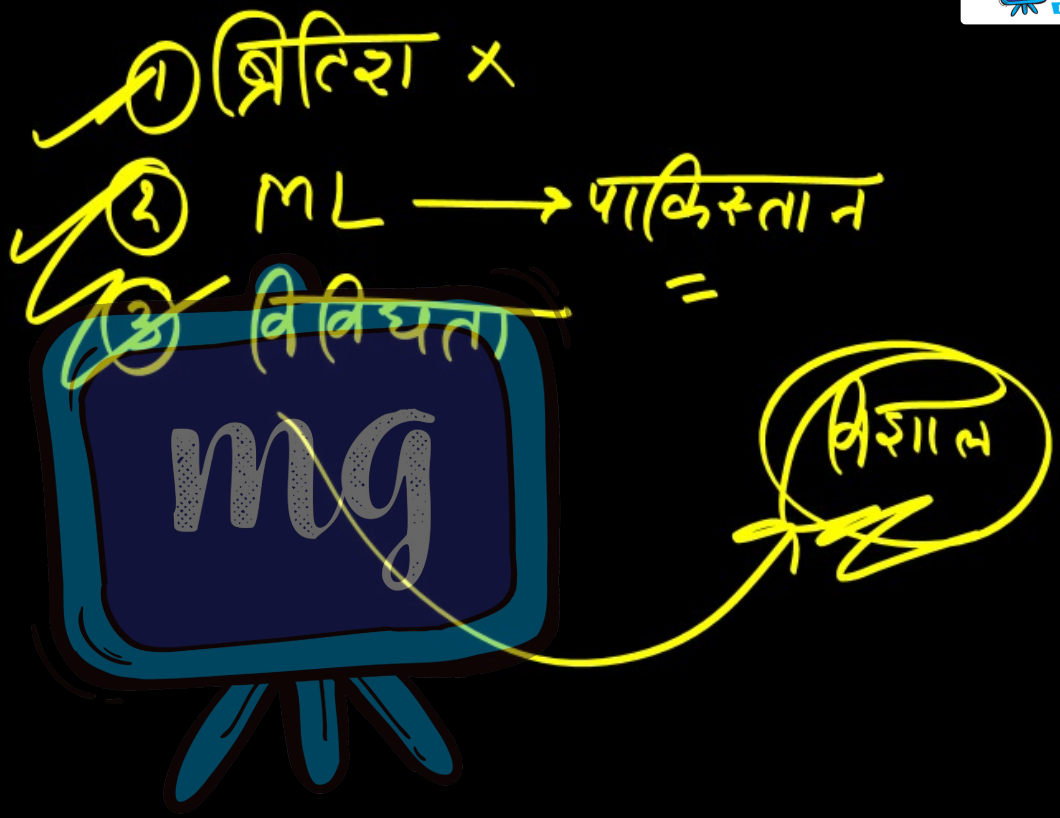

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- भारतीय संविधान 26 नवम्बर, 1949 को बनकर तैयार हुआ और 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू किया गया।
- यह दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान है।



395 अनुच्छेद | 22 भाग | 12 अनुसूचियां

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- संविधान को बनने में लगभग 2 वर्ष 11 माह और 18 दिन का समय लगा।
- संविधान का निर्माण एक संविधान सभा के द्वारा किया गया था।
- संविधान सभा के अस्थायी अध्यक्ष – सच्चिदानंद सिन्हा थे।
- संविधान सभा के अध्यक्ष – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद थे।


संविधान सभा
अध्यक्ष
शपथ
चुनाव
mg

- यह संविधान सभा भारतीय जनता के द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से चुनी गई थी।
- संविधान सभा विभिन्न समितियों और उपसमितियों के द्वारा अपना काम करती थी।

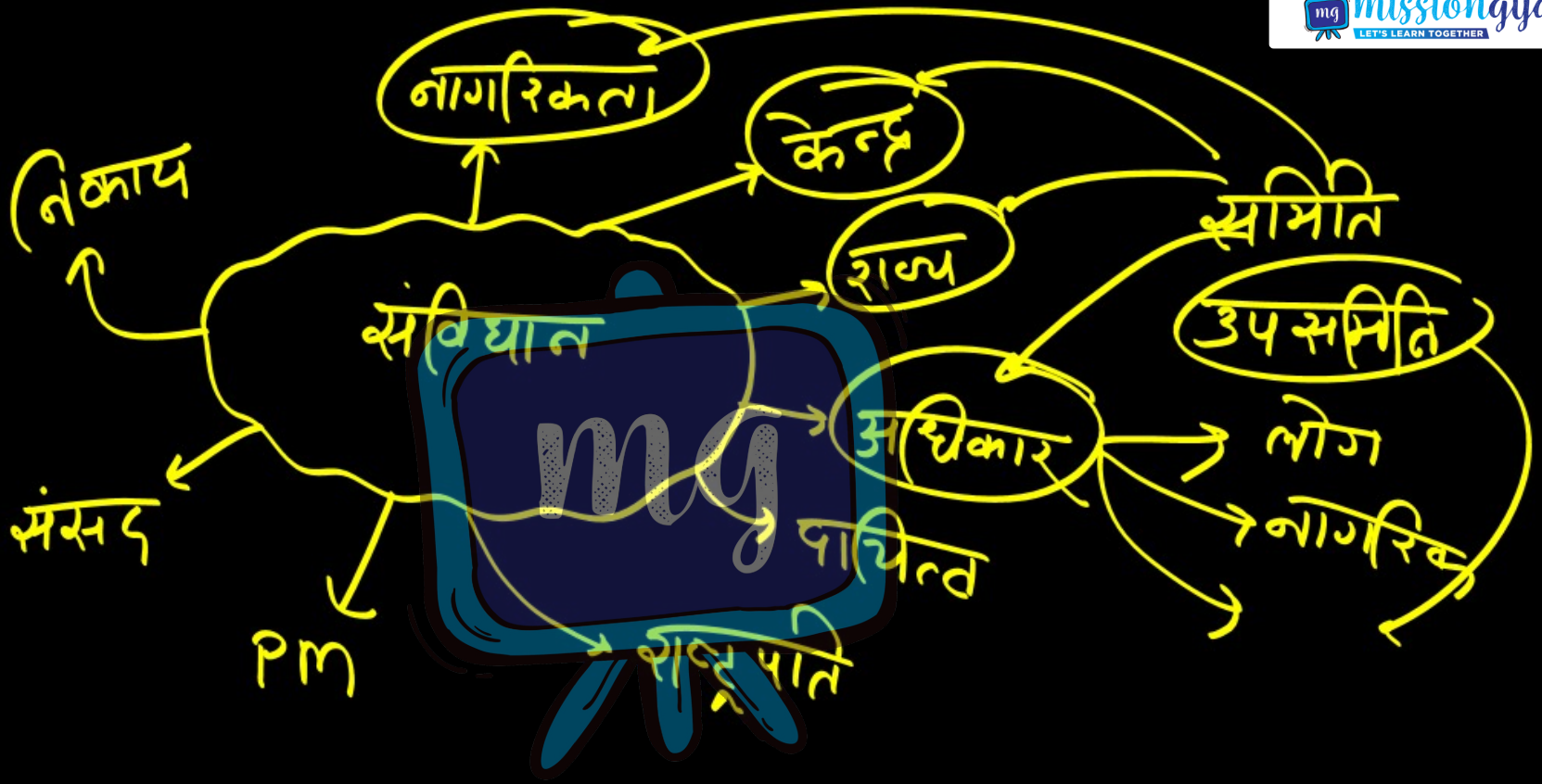
नागरिकता
निकाय
केन्द्र
राज्य
समिति
उपसमिति
संविधान
अधिकार
लोग
नागरिक
संसद
PM
दायित्व
राष्ट्रपति

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उथल-पुथल का दौर

- संविधान निर्माण से पहले के साल काफी उथल-पुथल वाले थे।
- यह महान आशाओं का क्षण भी था और भीषण मोहभंग का भी।
- एक लंबे संघर्ष के बाद 15 अगस्त, 1947 को भारत आजाद तो हुआ लेकिन साथ ही देश को विभाजित भी कर दिया गया था।
- अगस्त, 1946 में कलकत्ता से शुरू हुई हिंसा पूरे उत्तर भारत में फैल चुकी थी।
- करोड़ों शरणार्थी यहां से वहां जा रहे थे।
- इनमें से बहुत सारे कभी मंजिल तक नहीं पहुंचे, बीच रास्ते में ही मारे गए।

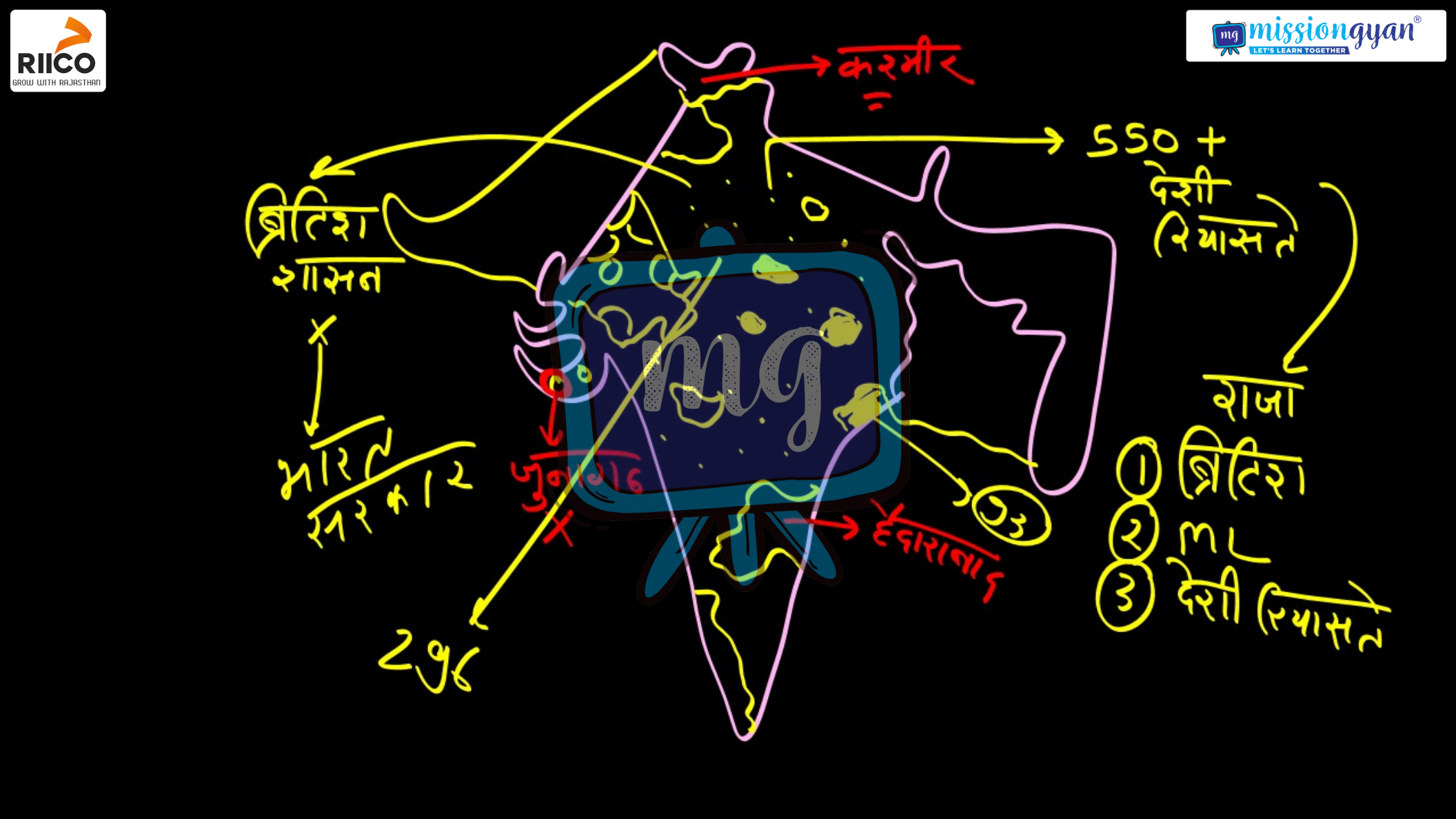
कश्मीर
565 + देशी रियासतें
ब्रिटिश शासन
भारत सरकार
565
जूनागढ़
हैदराबाद
3
राजा
1 ब्रिटिश
2 ML
3 देशी रियासतें

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

देशी रियासतों की समस्या :-

- नवजात राष्ट्र के सामने एक और गंभीर समस्या देशी रियासतों को लेकर थी।
- भारतीय उपमहाद्वीप का लगभग एक तिहाई भू-भाग नवाबों और रजवाड़ों के नियंत्रण में था।
- आजादी के समय भारत में कुल 562 छोटी-बड़ी रियासतें थी।
- ब्रिटिश शासन में उनके पास अपने राज्यों को जैसे चाहे चलाने की सीमित ही सही लेकिन काफी आजादी थी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

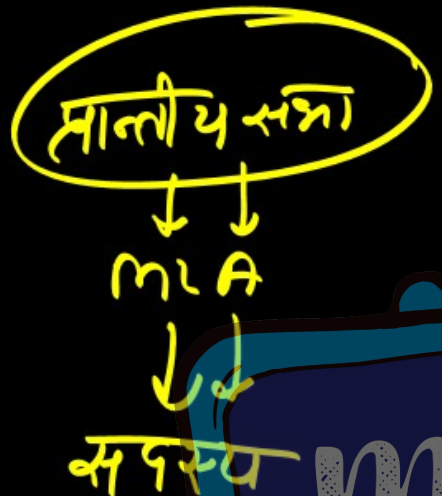

संविधान सभा का गठन

- भारतीय संविधान सभा का चुनाव कैबिनेट मिशन योजना – 1946 के अनुसार हुआ।
- संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव सार्वभौमिक मताधिकार के आधार पर नहीं हुआ था।
- प्रांतीय संसदों (विधानमंडलों) के द्वारा संविधान सभा के सदस्यों को चुना गया था।
- अतः संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव भारतीय लोगों के द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से किया गया था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

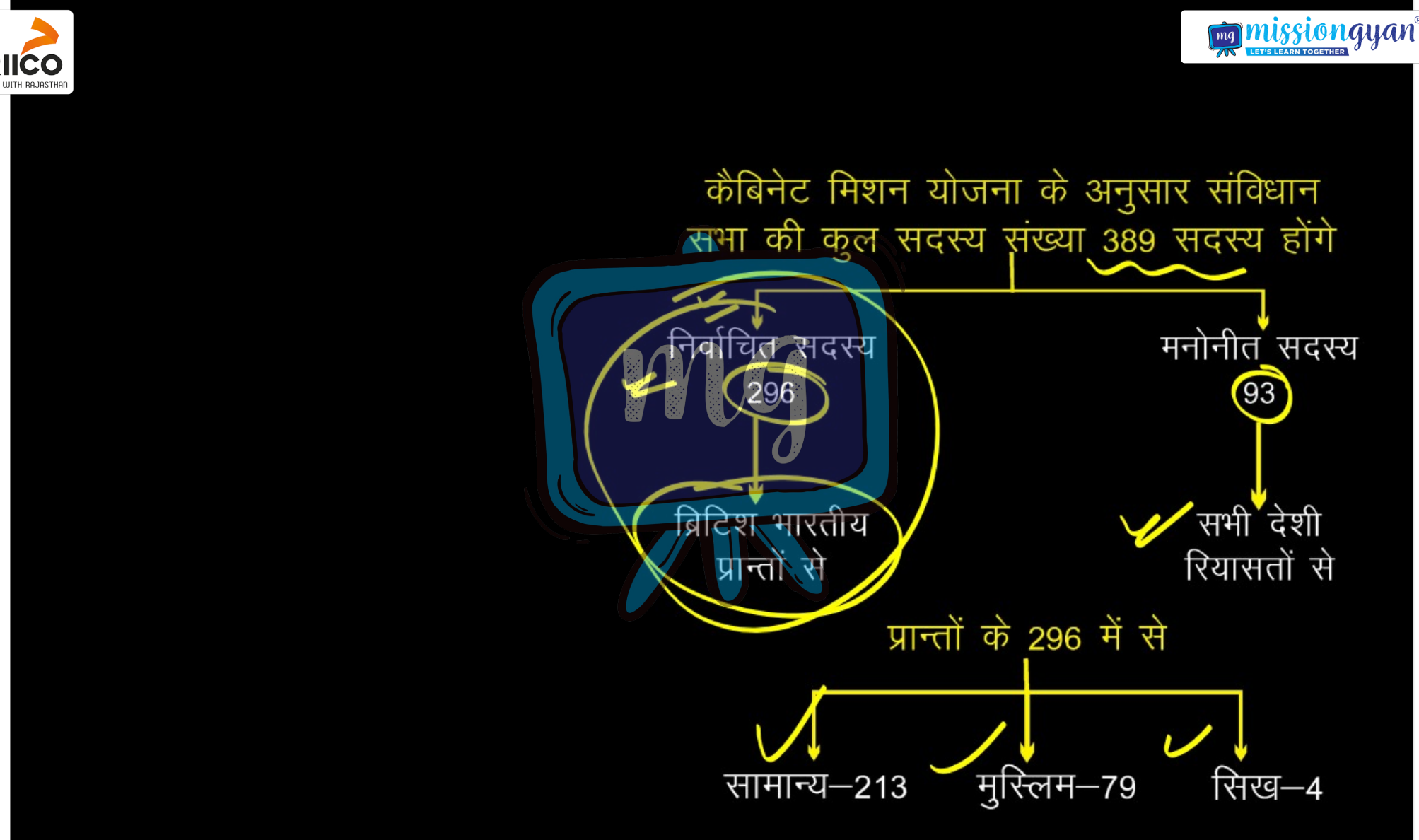

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पार्टी	–	सीटें
कांग्रेस	–	208
मुस्लिम लीग	–	73
अन्य	–	15
कुल सीटें	–	296

- अतः नई संविधान सभा में कांग्रेस प्रभावशाली थी।
- अतः मुस्लिम लीग के द्वारा संविधान सभा का बहिष्कार किया गया और अलग संविधान सभा की मांग की। साथ ही पृथक देश पाकिस्तान की मांग भी जारी रही।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- संविधान सभा में सभी कांग्रेस सदस्य भी एकमत नहीं थे।
  - कई मुद्दों पर सदस्यों के भिन्न मत थे –
    - समाजवाद
    - जमींदारी व्यवस्था
    - धर्मनिरपेक्षता और साम्प्रदायिकता
- लेकिन राष्ट्रीय आंदोलन की वजह से कांग्रेसी वाद-विवाद करना और मतभेदों पर बात-चीत कर समझौतों की खोज करना सीख गये थे।
- संविधान सभा में हुई चर्चाएं जनमत से भी प्रभावित होती थी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- जब संविधान सभा में बहस होती थी तो विभिन्न पक्षों की दलीलें अखबारों में भी छपती थी और तमाम प्रस्तावों पर सार्वजनिक रूप से बहस चलती थी।
- सार्वजनिक सहभागिता बनाने के लिए जनता के सुझाव भी आमंत्रित किये जाते थे।
- भाषाई अल्पसंख्यक अपनी मातृभाषा की रक्षा की मांग करते थे।
- धार्मिक अल्प संख्यक अपने हित सुरक्षित करवाना चाहते थे।

- दलित जाति शोषण के अन्त की मांग करते हुए सरकारी संस्थाओं में आरक्षण चाहते थे।
- संविधान सभा में सांस्कृतिक अधिकारों एवं सामाजिक न्याय के कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होती थी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

संविधान सभा



मुख्य आवाजें

- संविधान सभा में छः सदस्यों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।
- इन छः में से तीन कांग्रेस के सदस्य थे –
  1. जवाहर लाल नेहरू
  2. सरदार वल्लभ भाई पटेल
  3. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
- 13 दिसम्बर, 1946 को जवाहर लाल नेहरू के द्वारा महत्वपूर्ण ''उद्देश्य प्रस्ताव'' पेश किया गया था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- नेहरू जी ने यह प्रस्ताव भी पेश किया था कि – भारत का राष्ट्रीय ध्वज ''केसरिया, सफेद और गहरे हरे रंग की तीन बराबर चौड़ाई वाली पट्टियों का तिरंगा'' झंडा होगा, जिसके बीच में गहरे नीले रंग का चक्र होगा।
- सरदार वल्लभ भाई पटेल मुख्य रूप से पर्दे के पीछे कई महत्वपूर्ण काम कर रहे थे। उन्होंने कई रिपोर्टों के प्रारूप लिखने में खास मदद की।
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद संविधान सभा के अध्यक्ष थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- सभा में चर्चा रचनात्मक रूप ले और सभी सदस्यों को अपनी बात कहने का मौका मिले – यह उनकी जिम्मेदारियां थी।
- इनके अलावा डॉ. बी. आर. अम्बेडकर भी सबसे महत्वपूर्ण सदस्यों में से एक थे।
  - इन्होंने प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
  - प्रारूप समिति में कुल 7 सदस्य थे।

    (अध्यक्ष + 6 सदस्य)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- के. एम. मुंशी और अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर भी प्रारूप समिति के महत्वपूर्ण सदस्य थे।
- इन छः सदस्यों के अलावा दो प्रशासनिक अधिकारियों ने महत्वपूर्ण सहायता दी।
  1. बी. एन. राव – ये संवैधानिक सलाहकार थे।
  2. एच.सी. मुखर्जी – संविधान सभा के उपाध्यक्ष थे।
- संविधान सभा के सदस्यों ने अपने विविध दृष्टिकोण बड़ी सफाई से पेश किये थे। उनकी प्रस्तुतियों में हम भारत के भविष्य से जुड़े कई मुद्दों पर परस्पर विरोधी विचार देख सकते हैं :-

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- देश के भावी स्वरूप पर
- भारतीय भाषाओं पर
- राष्ट्र को कौनसी राजनीतिक एवं आर्थिक व्यवस्थाऐं अपनानी चाहिए।
- नागरिकों के नैतिक मूल्य कैसे होने चाहिए और कैसे नहीं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

संविधान के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य

- संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसम्बर, 1946 को हुई।
- मुस्लिम लीग ने इसका बहिष्कार किया था।
- डॉक्टर सच्चिदानंद सिन्हा को संविधान सभा का अस्थाई अध्यक्ष चुना गया।
- दूसरी बैठक – 11 दिसम्बर, 1946 को हुई।
- डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद को संविधान सभा का स्थाई अध्यक्ष चुना गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- तीसरी बैठक – 13 दिसम्बर, 1946 को हुई।
- जवाहर लाल नेहरू जी ने उद्देश्य प्रस्तव पेश किया।
- सदस्य = 389
- प्रारूप/मसौदा समिति के अध्यक्ष – बी.आर. अम्बेडकर
- संवैधानिक सलाहकार – बी.एन. राव

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- संविधान को बनने में 2 वर्ष, 11 माह और 18 दिन का समय लगा।
- संविधान बनकर पूरा हुआ – 26 नवम्बर, 1949
- संविधान लागू या अधिनियमित किया गया – 26 जनवरी, 1950
- अंतरिम सरकार के प्रमुख थे – जवाहर लाल नेहरू
- मुस्लिम लीग अंतरिम सरकार में शामिल हुई – 13 अक्टूबर, 1946

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उद्देश्य प्रस्ताव

- 13 दिसम्बर, 1946 को जवाहरलाल नेहरू के द्वारा संविधान सभा में ''उद्देश्य प्रस्ताव'' पेश किया गया।
- इस प्रस्ताव में संविधान के मूल आदर्शों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई थी।
- और यह फ्रेमवर्क सुझाया गया था जिसके तहत संविधान का कार्य आगे बढ़ना था।
- उद्देश्य प्रस्ताव में भारत को एक ''स्वतंत्र सम्प्रभु गणराज्य'' घोषित किया गया था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- समस्त नागरिकों को न्याय, समानता व स्वतंत्रता का आश्वासन दिया गया था।
- यह वचन दिया गया था कि ''अल्पसंख्यकों, पिछड़े व जनजातीय क्षेत्रों एवं दमित व अन्य पिछड़े वर्गों के लिए पर्याप्त रक्षात्मक प्रावधान किये जायंगे।''
- इन उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए नेहरू ने भारतीय प्रयोग को एक व्यापक ऐतिहासिक संदर्भ में प्रस्तुत किया।

- जवाहरलाल नेहरू जी ने अपने भाषण में कहा था कि ''हम सिर्फ नकल करने वाले नहीं है''
- वे किसी खास तरह के लोकतंत्र को अपनाने का विरोध करते हैं और कहते हैं कि हमारे लोकतंत्र की रूपरेखा हमारे बीच होने वाली चर्चा से ही उभरेगी।
- वे इस बात पर जोर देते हैं कि भारत में संविधान के आदर्श और प्रावधान कहीं और से उठाए गए नहीं हो सकते।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- उनके शब्दों में, भारत में शासन की जो व्यवस्था स्थापित हो वह 'हमारे लोगों के स्वभाव के अनुरूप और उनको स्वीकार्य होनी चाहिए।'
- भारतीय संविधान का उद्देश्य यह होगा कि लोकतंत्र के उदारवादी विचारों और आर्थिक न्याय के समाजवादी विचारों का एक-दूसरे में समावेश किया जाये और भारतीय संदर्भ में इन विचारों की रचनात्मक व्याख्या की जाये।

- नेहरू जी इस बात पर जोर दे रहे थे कि भारत के लिए क्या उचित है – इस बारे में हमें रचनात्मक ढंग से सोचना चाहिए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लोगों की इच्छा

पूंजीवाद	समाजवाद
ऐसी आर्थिक प्रणाली जिसमें धनिक वर्ग उत्पादन के साधनों पर अधिकार कर श्रमिकों का शोषण करता है।	समाजवादी व्यवस्था में धन–सम्पत्ति का स्वामित्व और वितरण समाज के नियंत्रण के अधीन होता है।
इस व्यवस्था में सरकार की बाजार को नियंत्रित करने में कोई खास भूमिका नहीं होती है।	समाजवादी निजी सम्पत्ति पर आधारित अधिकारों का विरोध करता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लोगों की इच्छा

संविधान सभा के कम्युनिस्ट सदस्य सोमनाथ लाहिडी :-

संविधान सभा के कम्युनिस्ट सदस्य सोमनाथ लाहिडी को सभा की चर्चाओं पर ब्रिटिश साम्राज्यवाद की गहरी छाप दिखाई देती थी। क्योंकि 1946-47 ई. की सर्दी में जब संविधान सभा में चर्चा चल रही थी उस समय अंग्रेज भारत में ही थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में शासन चलाने वाली अंतरिम सरकार भी वायसराय की देखरेख में ही कार्य कर रही थी।
- कम्युनिस्ट (साम्यवाद) :- सब वस्तुओं में सबका समान अधिकार रखने का सिद्धांत।